Tc.No.: GUJHIN00722

दैनिक

क्रांति समय

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480

E-mail: krantisamay@gmail.com

सूरत, वर्ष: 1 अंक: 23 , गुरुवार, 15 फरवरी 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.

ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात

सार समाचार

भैंसों के चक्कर में पड़ गया कर्मचारी, अब पड़े नौकरी के लाले, जानिए पूरा मामला

बरेली। सरकारी नौकरी करने वाले कर्मचारी ने भैंसों के चक्कर में आकर बदनामी का दाग लगा लिया। मामले की शिकायत जब जिलाधिकारी तक पहुंची तो नगर निगम बरेली में हड़कंप मच गया। हर किसी की जुबान पर यही बात थी कि आखिर इसने क्या कर डाला। बता दें कि डीएम राघवेंद्र वक्रिम सिंह के पास एक शिकायत पहुंची कि नगर निगम के एक कर्मचारी ने सांठगांठ कर दूध की डेरी खोल ली है। जिसमें 15 भैंस पाल रखी है। यह कर्मचारी सरकारी नौकरी के बाद भी दूध बेचने का काम कर रहा है। शिकायत में कहा गया है कि कर्मचारी कभी ड्यूटी पर नहीं जाता और हर महीने पैसे देकर हाजिरी पूरी कर लेता है। तनख्वाह भी पैसे देकर हर महीने निकली जा रही है। शिकायत करने वाले ने कहा है कि सरकारी तनख्वाह से ही भैंस खरीदी जा रही हैं। मामले में शिकायत हुई तो डीएम ने नगर आयुक्त को जांच सौंपी है। मामले में नगर आयुक्त आरके श्रीवास्तव ने जांच शुरू कर कर्मचारी के बारे में रिपोर्ट मांगी है। उक्त प्रकरण नगर निगम में चर्चाओं में है।

सब इंस्पेक्टर की बेटी ने फांसी लगाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के एक सब इंस्पेक्टर की बेटी ने रविवार शाम यमुनापार के शादहरा इलाके में स्थित अपने मायके में खुदकुशी कर ली। उसकी शादी को अभी तीन माह भी नहीं हुए थे। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। खुदकुशी करने वाली महिला की पहचान 29 वर्षीय अनीता के रूप में हुई है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं, परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इसी कारण वह शादी के कुछ दिनों बाद से ही मायके में रह रही थी। पुलिस और एसडीएम मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक, अनीता मीत नगर स्थित अपने मायके में रह रही थी। उसके पिता दिल्ली पुलिस में एसआई हैं। अनीता का ससुराल शाहदरा इलाके में है। 24 नवंबर 2017 को उसकी शादी प्रशांत यादव से हुई थी। अनीता के परिजनों का कहना है ?कि बीते 7 दिसंबर को वह मायके आ गई थी, तभी से वह यहीं रह रही थी। रविवार शाम उसने चुन्नी के सहारे फांसी लगा ली।

नशे के लिए रुपये नहीं दिए तो दोस्त की हत्या की

नई दिल्ली (एजेंसी)। शराब के लिए रुपये नहीं देने पर दोस्त की हत्या करने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को सोमवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान अनिल और सागर के रूप में हुई है। बाहरी जिला के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेंद्र सिंह सागर ने बताया कि 10 जनवरी को बापरौला स्थित राजीव रत्न आवास योजना के पार्क में एक युवक की हत्या हुई थी। मृतक की पहचान मुजाहिद के रूप में हुई थी। इस बाबत रणहौला थाने में हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच के लिए स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर सुखबीर मलिक की टीम गठित की गई थी। इस बीच एसआई निशु को सूचना मिली कि हत्या में शामिल दो युवक सोमवार को इलाके में आने वाले हैं। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों अनिल और सागर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे वारदात वाली रात मुजाहिद से शराब पीने के लिए उधार रुपया मांग रहे थे। मगर, रुपये देने की जगह मुजाहिद उन्हें गाली देने लगा तो दोनों ने पत्थर से कूचकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इनके कब्जे से खून से सने कपड़े और हत्या में प्रयुक्त पत्थर भी बरामद कर लिया है।

वारदात: यूपी में वेलेंटाइन डे पर प्रेमिका को गोली मारी

हापुड़ (एजेंसी)। वेलेंटाइन डे पर पिलखुवा में बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे एक सिरफिरे ने अपनी प्रेमिका को गोली मार दी। यह वारदात उस समय हुई जब युवती घर से गली के बाहर कुछ सामान लेने आई थी। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। आरोपी युवक प्रेमिका पर घर से भागकर शादी करने का दबाव बना रहा था, इसके लिए युवती राजी नहीं थी, जिस पर युवक उससे खफा था। पिलखुवा पुलिस के अनुसार, पूठा हुसैनपुर गांव में बुधवार सुबह सिरफिरे ने एक युवती को गोली मार दी। बताया जाता है कि दोनों में कई माह से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक प्रेमिका पर घर से भागकर शादी करने का दबाव बना रहा था, पर प्रेमिका इसके लिए राजी नहीं थी, जिसे लेकर युवक खफा था।

»»» विवाद के बाद दलित छात्र की हत्या क्रूरता का वीडियो हुआ वायरल

इलाहाबाद में छात्र की हत्या में आरोपित टीटीई निलम्बित

वाराणसी (एजेंसी)। इलाहाबाद में दलित छात्र की हत्या में आरोपित टीटीई को निलम्बित कर दिया गया है। इस संबंध में 12 फरवरी को कैंट के सीआईटी के पास निलंबन की प्रति आई। आरोपित टीटीई गाजीपुर से चलने वाली सुहेलदेव एक्सप्रेस में ड्यूटी करता था। गौरतलब है कि इलाहाबाद में मामूली विवाद के बाद एलएलबी के दलित छात्र दिलीप कुमार की हत्या का के मुख्य आरोपित टीटीई विजय शंकर सिंह को क्राइम ब्रांच ने बुधवार सुबह सुल्तानपुर से गिरफ्तार कर लिया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने हत्या में इस्तेमाल राड और ईंट भी भी बरामद कर ली है।

विजय शंकर सिंह कैंट रेलवे स्टेशन पर टीटीई के रूप में तैनात है। वह पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल का कर्मचारी है। साथी कर्मचारियों के मुताबिक वह दबंग छवि का है। दबंगई और ऊंची पहुंच के चलते ड्यूटी नहीं करता था। कुछ माह पहले तक वह इलाहाबाद सिटी स्टेशन पर तैनात था। उसकी भर्ती खेल कोटे से हुई थी।

कर्मचारी नेताओं की मानें तो तृतीय श्रेणी पद के कर्मचारी टीटीई विजय शंकर सिंह के पास चार लग्जरी वाहन

है। वह जब कहीं आता जाता है तो उसके साथ लग्जरी वाहनों के काफिले रहता है। इलाहाबाद के हंडिया में वर्ष 2005 में चर्चित संत ज्ञानेश्वर हत्याकांड के अलावा चार साल पहले लखनऊ में हुए गैंगवार में नाम चर्चा में आया था। लेकिन दोनों घटनाओं में वह साफ बच निकला। अपनी ऊंची पहुंच और अधिकारियों से साठगांठ के बदौलत उसकी नौकरी पर आंच तक नहीं आई है। साथी कर्मचारियों की मानें तो वह ड्यूटी पर अक्सर गायब रहता है। इलाहाबाद में विजयशंकर सिंह की पत्नी शिक्षिका बताई जाती है। सुल्तानपुर के विजय शंकर सिंह का इलाहाबाद में ही मकान है। रेल अफसरों के मुताबिक विजयशंकर सिंह इस समय अवकाश पर था। इस संबंध में एसपी सिटी दिनेश सिंह के मुताबिक टीटीई के संबंध में इलाहाबाद पुलिस ने संपर्क नहीं किया है।

क्या है मामला

9 फरवरी की रात कटरा स्थित कालिका रेस्टोरेंट में एडीसी का एलएलबी छात्र दिलीप सरोज अपने कुछ दोस्तों के साथ खाना खाने पहुंचा था। खाने का आर्डर देने के बाद वह दोस्तों के साथ रेस्टोरेंट की सीढ़ी पर बैठा था, उसी वक्त टीटीई विजय शंकर सिंह अपने ड्राइवर रामदीन मौर्य और दोस्त ज्ञान प्रकाश अवस्थी के साथ रेस्टोरेंट पहुंचा। रेस्टोरेंट की सीढ़ी चढ़ने के दौरान विजय के पैर से दिलीप को ठोकर लग गई जिस पर दोनों में कहासुनी हो गई। कुछ देर बाद रेस्टोरेंट के अंदर दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। इस मारपीट में दिलीप के दोस्त घायल होकर मौके से भाग निकले जबकि वह रेस्टोरेंट के अंदर ही बेहोश हो गया। जिसके बाद टीटीई विजय शंकर और उसके साथी बेहोश दिलीप को रेस्टोरेंट के बाहर उठा ले आए और उसकी डंडे व ईंट से सरेआम क्रूरता से पिटाई की।

क्रूरता का वीडियो हुआ वायरल

जिस समय टीटीई विजय शंकर और उसके साथी रेस्टोरेंट के बाहर सड़क पर दिलीप सरोज को डंडे और ईंट से मार रहे थे, उस समय कुछ राहगीरों ने उस क्रूर कृत्य का वीडियो बना लिया और उसे वायरल कर दिया। उधर दिलीप सरोज की अस्पताल में मौत हो गई। दूसरे दिन वीडियो वायरल होने के साथ ही अखबारों में जब इस क्रूर कृत्य की खबर छपी तो पूरा शहर आक्रोशित हो उठा और दिलीप के कातिलों की गिरफ्तारी की मांग शुरू हो गई।

यूपी : बरेली के इन इंग्लिश मीडियम स्कूलों में फ्री पढ़ेंगे बच्चे

बरेली (एजेंसी)। प्रदेश सरकार हर ब्लॉक में पांच-पांच इंग्लिश मीडियम स्कूल शुरू करने जा रही है। बरेली में भी 80 स्कूलों का चयन हो गया है। इनमें पहली अप्रैल से बच्चों को फ्री शिक्षा दी जाएगी। स्कूलों के लिए शिक्षकों की चयन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। शिक्षक अपने ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से 23 फरवरी तक आवेदन भेज सकते हैं। प्रधानाध्यापक के पद के लिए प्राथमिक स्कूल के ऐसे प्रधानाध्यापक या उच्च प्राथमिक स्कूल के ऐसे सहायक अध्यापक आवेदन कर सकते हैं, जिनके पास इंटरमीडिएट में अंग्रेजी रही हो या उन्होंने अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की हो। सहायक अध्यापक के पद के इंटरमीडिएट में इंग्लिश विषय वाले शिक्षक या इंग्लिश मीडियम में पढ़े शिक्षक आवेदन कर सकते हैं।

50 अंकों की लिखित परीक्षा और 50 अंकों के इंटरव्यू

इंटरव्यू के माध्यम से शिक्षक शिक्षिकाओं का चयन होगा। अंग्रेजी माध्यम के चयनित स्कूलों की सूची और आवेदन पत्र का प्रारूप bareilly.nic.in पर उपलब्ध है।

वैलेंटाइन डे के दिन धूमधाम से हुई राज्यपाल कल्याण सिंह की पोती की सगाई

अलीगढ़। वेलेंटाइन डे के मौके पर बुधवार को राजस्थान के राज्यपाल कल्याण सिंह की पोती की सगाई हुई। इस दौरान राजपाल कल्याण सिंह भी पहुंच गए। इस दौरान शहर के प्रमुख लोग उनसे मिलने पहुंचे। कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह राजू की बेटी पूर्णिमा की सगाई भाजपा नेता व रियल स्टेट कारोबारी श्योराज सिंह के बेटे प्रवीण राज सिंह से हुई। शहर के एक प्रमुख होटल में सुबह से ही लोग पहुंचने लगे थे, इस दौरान सूबे दर्जनों आईएएस अफसर भी मौजूद रहे। वहीं पूर्णिमा सिंह के भाई शिक्षा राज्यमंत्री सन्दीप सिंह ने लड़के पक्ष वालों का फूल देकर स्वागत किया। वहीं कल्याण सिंह और सांसद राजवीर सिंह ने अपने होने वाले दामाद को आशीर्वाद दिया।

दिल्ली में 'आप' के तीन साल: केजरीवाल सरकार की उपलब्धियां और असफलताएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2015 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का नारा था- 'पांच साल केजरीवाल'। दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस नारे के साथ उतरी पार्टी ने दिल्ली चुनाव में इतिहास रचते हुए यहां की 70 में से 67 में जीत का परचम लहराया। लेकिन, जब बुधवार को पार्टी ने अपनी सरकार के तीन साल पूरे किये उसके बाद उसने नया नारा दिया- सबकुछ संभव है (इवरी थिंग इज पॉसिबल)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने तीन साल पूरा होने के मौके पर कहा कि जो पिछले 70 साल में नहीं हुआ वह उनकी सरकार ने पिछले तीन वर्षों के दौरान करके दिखा दिया। अब आइये बताते हैं क्या है केजरीवाल सरकार की उपलब्धियां और नाकामी। स्कीम लागू करने से ज्यादा राजनीति में व्यस्तताएं। लेकिन, पिछले तीन वर्षों से लगातार

विवादों में रही दिल्ली सरकार यह भलीभांति जानती है कि सबकुछ संभव नहीं है। वो चाहे बात सस्ते बिजली या फिर मुफ्त पानी (20 हजार लीटर प्रति महीने) देने की हो या फिर ऑड-ईवन कार चलाने की योजना की। आम आदमी पार्टी ने यह दिखाया है कि उनकी इच्छा शक्ति अपने वादे को पूरा करने में कम बल्कि उन योजनाओं को पूरा करने से कहीं ज्यादा राजनीति करने में उनकी व्यस्तताएं रही है।

प्रदूषण और सार्वजनिक परिवहन

राजधानी में केजरीवाल सरकार की प्रदूषण पर लगाम और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में कोई खास योजनाएं नहीं दिखी। हालत ये रही कि दिल्ली परिवहन निगम में एक अतिरिक्त बस के लिए सरकार संघर्ष करते हुए दिखाई देनेवाली दिल्ली सरकार के उस प्रस्ताव ने लोगों को ध्यान खींचा में जिसमें हैलीकॉप्टर से पानी की बौछारें करने की बातें कही गई थी। इसके अलावा, अन्य योजनाएं जैसे अपने बिजली संयंत्र की स्थापना करना और लोगों को बिजली सप्लाई के लिए मनपंसदीदा च्वाइस देना भी लोगों का ध्यान खींचा जो संभव नहीं था।

स्वास्थ्य और शिक्षा

केजरीवाल सरकार ने मोहल्ला क्लीनिक हेल्थ स्कीम और शिक्षा के क्षेत्र में फोकस और निवेश के चलते इन दो मोर्चों पर आप सरकार ने बेहतर काम किया है। अब कई सेवाओं को लोगों के दरवाजें तक पहुंचाना, सीसीटीवा कैमरे लगाना और 10,000 नई बसों की डीटीसी के लिए खरीद ये सरकार के बड़े लक्ष्य हैं। सवाल ये उठा रहा है कि क्या ये अपने इन वादों को पूरा कर पाएंगे।

छात्र संघ की अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पर 10-10 हजार रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीती चार जनवरी को जेएनयू छात्रसंघ ने प्रशासनिक भवन पर अनिवार्य हाजिरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। प्रशासन की ओर से मंगलवार जारी नोटिस में कहा गया है कि जेएनयू छात्र संघ की अध्यक्ष गीता कुमारी और उपाध्यक्ष सीमोन जोया खान ने हाईकोर्ट के निर्देशों की अवमानना की है। इस नोटिस के अनुसार प्रशासनिक भवन में 100 मीटर तक प्रतिबंधित जगह पर किसी भी तरह की हड़ताल या प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। इस मामले में विवि ने इन दोनों छात्र नेताओं पर 10-10 हजार रुपये जुर्माना देने को भी कहा है। प्रशासन की ओर से कहा गया है कि यह जुर्माना सात दिन के भीतर जमा कर दिया जाए। छात्र-छात्राएं बीते लंबे समय से अनिवार्य हाजिरी के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करा रहे हैं। रविवार को भी सैकड़ों छात्र हाईकोर्ट के निर्देश के बावजूद फ्रीडम स्क्वैयर तक पहुंच गए थे। इस पर छात्रसंघ अध्यक्ष गीता कुमारी ने कहा था कि न्यायालय ने जेएनयू प्रशासन को और भी कई दिशानिर्देश दिए हैं। इनमें हमारी भलाई के लिए ओबीसी की छात्रवृत्ति और हमारे हॉस्टल से संबंधित निर्देश भी शामिल हैं। लेकिन प्रशासन सिर्फ वही निर्देश मानता है जिसमें छात्र हित न जुड़ा हो।

»»» किसान बहा रहा पसीना: कानपुर में राष्ट्रपति

जवान देश के लिए कुर्बानी दे रहा हैं

कानपुर (एजेंसी)। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि आज जवान देश के लिए कुर्बानी दे रहा है और किसान खेतों पर पसीना बहा रहा है। दोनों की भूमिका कहीं से अलग नहीं है। क्षेत्र और काम अलग हो सकते हैं लेकिन दोनों का उद्देश्य एक ही है। राष्ट्रपति बुधवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैलाश सभागार में सोसाइटी ऑफ एग्रीकल्चरल प्रोफेशनल्स की ओर से आयोजित 'बदलते जलवायु में छोटे किसानों की टिकाऊ खेती' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए कहा कि गांधी जी ने किसानों को अन्नदाता की संज्ञा दी थी। आज किसान राष्ट्र निर्माता की भूमिका में है। उसे अहसास कराए जाने की जरूरत है। सरकारें इस दिशा में काम कर रही हैं।

फूड प्रोसेसिंग कलस्टर बनाए जाएं

राष्ट्रपति ने कहा अनाज उत्पादन तेजी से बढ़ रहा है लेकिन खाद्यान्न को बचाना बड़ी चुनौती है। फूड प्रोसेसिंग की दिशा में काम करने की जरूरत है। आज मेगा फूड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि छोटे-छोटे फूड कलस्टर स्थापित किए जाएं ताकि किसान आसानी से अपना उत्पाद पहुंचा सकें। किसानों के लिए मार्केट, भंडारण की व्यापक व्यवस्था की जानी चाहिए। महिलाओं को भी प्रोत्साहन मिलना चाहिए। कई राज्यों में खेती में महिलाएं अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। बस उन्हें खेती के फायदे और प्रोत्साहन की जरूरत है।

पत्थर कालेज की यादें ताजा की

बुधवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने शहर में थे। उन्होंने लोगों को इसका अहसास भी कराया कि शहर भी मेरा है और शहर के लोग भी मेरे। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से पहले हम इसे पत्थर कॉलेज के नाम से जानते थे। मेरे मन में कई बार यह सवाल आया कि क्या यहां पत्थर की पढ़ाई होती है। बाद में मुझे बताया गया कि इसका गेट पत्थर से बना है तो लोग इसे पत्थर कालेज कहने लगे।

अपनेपन का अहसास कराया

राष्ट्रपति ने अपनेपन का अहसास कराते हुए कहा कि हम इसी कैंपस से कई बार पैदल गुजरें हैं। मुझे याद है कि पहले रावतपुर से एक रास्ता हुआ करता था। हमें जब एसडी कॉलेज या फिर नवाबगंज, आजादनगर की ओर जाना होता था तो इसी रास्ते का इस्तेमाल करते थे।

इस पत्थर कॉलेज से निकले कई वैज्ञानिकों ने देश और दुनिया में कानपुर का नाम रोशन किया है। उन्होंने पदमश्री आरबही सिंह, डॉ. अख्तर हुसैन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि कानपुर मेरी जन्म और कर्मभूमि है। यहां की यादें अभी भी मेरे जेहन में ताजा है। राष्ट्रपति ने बताया कि बीएनएसडी कॉलेज में पढ़ाई के दौरान वे श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव देखने वीएसएसडी कॉलेज आते थे। यहां भजन सुनने नहीं बल्कि पंजीरी और चरणामृत के लिए आते थे। कोशिश यही होती थी कि दो-तीन बार प्रसाद मिल जाए तो अच्छा रहेगा।

क्षेत्रीय भाषाओं में भी उच्च न्यायालय दें फैसलेवीएसएसडी कॉलेज में विधि भवन के लोकार्पण के बाद राष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि उच्च न्यायालयों में अंग्रेजी के साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी फैसले आने चाहिए। इससे लोगों को आसानी होगी। इसकी शुरुआत छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कर दी है। वहां अब अंग्रेजी के साथ हिन्दी में भी फैसले आ रहे हैं। वीएसएसी कॉलेज में सनातन धर्म स्मारिका और न्यूज लेटर के विमोचन के बाद राष्ट्रपति ने कहा कि 2025 तक भारत दुनिया का सबसे युवा देश होगा। ऐसे में युवाओं की भूमिका अहम हो जाती है। राष्ट्रपति ने यह भी बताया कि अंत्योदय सिद्धांत के प्रेरणता पंड़ित दीन दयाल उपाध्याय ने 1937 से 1941 तक वीएसएसडी कॉलेज में ही बीए ऑनर्स किया था। आज उन्हें के अंत्योदय सिद्धांत लोग रिसर्च कर रहे हैं।

जिसका यह दावा है कि वह आध्यात्मिक चेतना के शिखर पर है मगर उसका स्वास्थ्य अक्सर खराब रहता है तो इसका अर्थ है कि मामला कहीं गड़बड़ है -महात्मा गांधी

विरोधी शक्तियों का सम्मिलन

पहली जरूरत यह समझना है कि सारा जीवन ही रास है। जैसा मैंने कहा, सारा जीवन विरोधी शक्तियों का सम्मिलन है। चारों तरफ आंखें उठाएं तो रास के अतिरिक्त और क्या हो रहा है? आकाश में दौड़ते बादल हों, सागर की तरफ दौड़ती सरिताएं हों, बीज फूलों की यात्रा कर रहे हों या भंवरे गीत गाते हों या पक्षी चहचहाते हों या मनुष्य प्रेम करता हो या ऋण और धन विद्युत आपस में आकर्षित होती हों या स्त्री और पुरुष की निरंतर लीला और प्रेम की कथा चलती हो, इस पूरे फैले हुए विराट को हम देखें तो रास के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं हो रहा। रास बहुत कॉस्मिक अर्थ रखता है। इसके बड़े विराट जागतिक अर्थ हैं। पहला तो यही कि इस जगत के विनियोग में, निर्माण में, सृजन में जो मूल आधार है, वह विरोधी शक्तियों के मिलन का आधार है। एक मकान हम बनाते हैं, एक द्वार हम बनाते हैं, तो द्वार में उलटी ईंटें लगा कर आर्च बन जाता है। एक दूसरे के खिलाफ लगीं ईंटें पूरे भवन को सम्हाल लेती हैं। हम चाहें तो एक सी ईंटें लगा सकते हैं। तब द्वार नहीं बनेगा और भवन नहीं उठेगा। शक्ति दो हिस्सों में विभाजित हो जाती है, तो खेल शुरू हो जाता है। शक्ति का दो हिस्सों में विभाजित हो जाना ही जीवन की समस्त पतरे, समस्त पहलुओं पर खेल की शुरुआत है। शक्ति एक हो जाती है, खेल बंद हो जाता है। जीवन दो विरोधियों के बीच खेल है। ये विरोधी लड़ भी सकते हैं, तब युद्ध हो जाता है। मिल भी सकते हैं, तब प्रेम हो जाता है। लेकिन लड़ना हो कि मिलना हो, दो की अनिवार्यता है। सृजन दो के बिना मुश्किल है। कृष्ण के रास का क्या अर्थ होगा इस संदर्भ में? इतना ही नहीं है काफी कि हम कृष्ण को गोपियों के साथ नाचते हुए देखते हैं। कृष्ण का गोपियों के साथ नाचना उस विराट रास को छोटा-सा नाटक है, उस विराट का एक आणविक प्रतिबिंब है। वह जो समस्त में चल रहा है नृत्य, उसकी छोटी-सी झलक है। इसके कारण ही संभव हो पाया कि उस रास का कोई कामुक अर्थ नहीं रह गया। उस रास का कोई सेक्सुअल मीनिंग नहीं है। ऐसा नहीं है कि सेक्सुअल मीनिंग के लिए, कामुक अर्थ के लिए कोई निषेध है। लेकिन बहुत पीछे छूट गई वह बात। कृष्ण, कृष्ण की तरह वहां नहीं नाचते हैं, कृष्ण वहां पुरुष तत्व की तरह ही नाचते हैं। गोपिकाएं स्त्रियों की तरह वहां नहीं नाचती हैं, गहरे में वे प्रकृति ही हो जाती हैं। प्रकृति और पुरुष का नृत्य है वह।

खिलाफ सुप्रीम कोट

राजनीति के अपराधीकरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पूरी तरह से जायज और सराहनीय है कि आखिर, आपराधिक मामलों में दोषी ठहराया गया व्यक्ति किसी राजनीतिक दल का प्रमुख कैसे हो सकता है! इस हैसियत से वह चुनावों में अपनी पार्टी के उम्मीदवारों का चयन भी करता है, जो चुनाव जीतने के बाद सरकार का हिस्सा भी बनते हैं। आम तौर पर क्षेत्रीय दलों और उनके नेताओं में यह प्रवृत्ति ज्यादा दिखाई पड़ती है। भारतीय राजनीति में ऐसे उदाहरण भी मौजूद हैं कि दोषी सिद्ध व्यक्ति अपने उत्तराधिकारी का चयन भी करता है। ऐसी मिसालें भी हैं कि दोषी ठहराए गए व्यक्ति की पार्टी जब चुनाव जीत कर सरकार बनाने में सफल हुई तब सजायाफ्ता पार्टी प्रमुख ही परोक्ष रूप से सरकार चलाते हैं। जाहिर है कि यह स्थिति जन प्रतिनिधि कानून की भावना के खिलाफ है, और लोकतंत्र और चुनाव की शुचिता को प्रभावित करती है। भारतीय लोकतंत्र और चुनाव पण्राली जिस ढें पर चल रहे हैं, वह अपने आप में विरोधाभासी है। जन प्रतिनिधि कानून का मूल मकसद चुनावों को भ्रष्टाचार से मुक्त कराना है। यह अधिकार संसद को है, जो जन प्रतिनिधि कानून में इस आशय का संशोधन कर सकती है। इस मसले पर राजनीतिक दलों के बीच सहमति बन पाना हथेली पर मकान बनाने जैसा ही है। अगर आपसी सहमति बनने के बाद कोईकानून बन भी जाता है, तो उसको सीधे तौर पर अमल में लाने में मुश्किलें आ सकती हैं, क्योंकि चुनावों में जाति और धर्म की बड़ी भूमिका रहती है। अदालत द्वारा किसी नेता को किसी मामले में दोषी ठहराए जाने के बावजूद वह अपनी जाति में लोकप्रिय बना रहता है। वह घर बैठे ही अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए अपील कर सकता है, और उसकी जाति विशेष में उसका गहरा प्रभाव भी पड़ता है। इसलिए सिर्फ कानून से नहीं बल्कि चुनाव सुधारों के लिए नेताओं का हृदय परिवर्तन भी होना चाहिए। बहरहाल, चुनावों से भ्रष्टाचार खत्म करना कानून का मूल मंतव्य है, और सुप्रीम कोर्ट यही करना चाहता है।

सत्संग

खूबियां और स्पंदन

रंग में कुछ खास तरह की खूबियां और स्पंदन होता है। कुछ हद तक यह अपने आप में एक तरह का सहारा होता है। किंतु क्या इसका मतलब यह हुआ कि अगर हम काले रंग के कपड़े पहनेंगे तो हमारा मन काला हो जाएगा? हालांकि, इसे पूरी तरह से तो सही नहीं कह सकते, लेकिन कुछ हद तक यह सही है। नारंगी रंग चूंकि कुछ धुंधला होकर हल्का पड़ गया है, इसलिए वह भगवा हो गया है। दरअसल, यह गेरुआ रंग है, आपको गेरुआ रंग का ही इस्तेमाल करना चाहिए। गेरु आ रंग आज्ञा चक्र का रंग है। हम इस रंग को इसलिए धारण करते हैं, ताकि यह ज्ञान पाने में हमारे लिए सहायक बन सके। इसलिए हमारे यहां तय किया गया है कि संन्यासी गेरु ए वस्त्र पहनें। एक बात और, समाज में अकसर जब कोई किसी से मिलता है तो उसे कुछ खाने-पीने की चीजें पेश करता है। ऐसे में संभव है कि कोई आपको सिगरेट भी पेश कर दे। लेकिन अगर हम यह गेरु आ वस्त्र पहने हुए हैं, तो कोई हमारी तरफसिगरेट नहीं बढ़ाएगा या हम खुद किसी को सिगरेट पीता देख उसकी तरफहाथ नहीं बढ़ाएंगे। गेरु ए वस्त्र पहनना दुनिया को यह बताने का एक तरीका भी है कि ''मैं एक खास स्तर तक या चोटी तक पहुंचना चाहता हूं, कृपया आप इसमें मेरी मदद कीजिए।' अगर आपका ऐसा इरादा है तो हम आपकी मदद करेंगे। पुराने समय में अपने यहां समाज में यही सोच हुआ करती थी, लेकिन आज ऐसा नहीं है। आज तो लोग इस कोशिश में लगे रहते हैं कि उसे कैसे नीचे गिराया जाए। लेकिन वह दुनिया को यह सब इसलिए बता रहा है, ताकि दुनिया उसका सहयोग कर सके। जैसा कि मैं पहले भी बता चुका हूं कि ब्रह्मचर्य का मतलब ब्राह्मण यानी दिव्य के मार्ग पर चलना है। तो इसके लिए क्या किसी को आधिकारिक तौर पर ब्रह्मचारी बनना होगा? क्या वे इसके बिना आध्यात्मिक मार्ग पर नहीं चल सकते हैं? देखिए इसमें आधिकारिक जैसी कोई चीज नहीं होती, हर व्यक्ति को आध्यात्मिक मार्ग पर चलना चाहिए। लेकिन बात यह है कि इंसान में शरीर, भावनाओं व विचारों का प्रभाव इतना जबर्दस्त होता है कि वे खुद उस रास्ते पर टिक नहीं पाते हैं। इसलिए उन्हें एक खास तरीके से दीक्षित किया जाता है। इसके लिए खास तरह की साधना की जाती है, उनकी ऊर्जा का खास तरह से रूपांतरण किया जाता है।

राष्ट्रद्रोह का मुकदमा

पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने का उसने कारण बताया कि कुछ भाजपायी विधायक पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। यह उसका जवाब था। कैसा अनोखा तर्क है। भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। भौगोलिक संप्रभुता को संवारने का हलफ उठाया था। मगर अब अपनी राष्ट्रीयता संदिग्ध बना दी। मोहम्मद लोन की विधायकी खत्म हो जानी चाहिए। राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चले और जेल भेजा जाए। निर्वाचन आयोग नेशनल कांफ्रेंस से जवाब मांगे। आनकानी या हीला हवाली पर इस पार्टी का पंजीकरण निरस्त हो। पाकिस्तानी कबाइली लुटेरों से घाटी की जमीन और लावण्यवती युवतियों की आबरू बचाने के लिए भारतीय सेना ने सात दशक पहले सैनिकों की शहादत दी थी।

सतीश पेडणोकर

इतनी ही कोर-कसर बाकी बची थी। जम्मू-कश्मीर विधान सभा में गत सप्ताह ''पाकिस्तान पाइन्दाबाद' के नारे लगे। चीखने वाला फारूक और उमर की नेशनल कांफ्रें स का विधायक था। नाम है मोहम्मद अब्दुल लोन। सोनावारी के इस अधेड़ विधायक ने कहा ''मैं मुसलमान पहले हूं।' पाकिस्तान समर्थक नारे लगाने का उसने कारण बताया कि कुछ भाजपायी विधायक पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगा रहे थे। यह उसका जवाब था। कैसा अनोखा तर्क है। भारतीय संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ ली। भौगोलिक संप्रभुता को संवारने का हलफ उठाया था। मगर अब अपनी राष्ट्रीयता संदिग्ध बना दी। मोहम्मद लोन की विधायकी खत्म हो जानी चाहिए। राष्ट्रद्रोह का मुकदमा चले और जेल भेजा जाए। निर्वाचन आयोग नेशनल कांफ्रेंस से जवाब मांगे। आनकानी या हीला हवाली पर इस पार्टी का पंजीकरण निरस्त हो। पाकिस्तानी कबाइली लुटेरों से घाटी की जमीन और लावण्यवती युवतियों की आबरू बचाने के लिए भारतीय सेना ने सात दशक पहले सैनिकों की शहादत दी थी। लहू बहाया था। कुछ भारतवासी हैं, जिनकी सोच से यह सीधी बात परे है कि पाकिस्तान की पैदाइश से ही कश्मीर का मसला शुरू हुआ था। राममनोहर लोहिया की हिमालयी नीति के खास दो क्षेत्र थे-बौद्ध तिब्बत व इस्लामी कश्मीर। उनके आकलन में इन दोनों को जवाहरलाल नेहरू की नीतियों और क्रियाकलाप ने भारत से अलग कर डाला था। तिब्बत की भ्रूण हत्या जैसी हुई। कश्मीर को मरीज बनने पर विवश कर दिया गया। एक घटना पर गौर कर लें। कश्मीरी मुसलमान कभी भी पाकिस्तान-समर्थक आंदोलन में नहीं रहे। जिन्ना ने महाराजा कश्मीर हरी सिंह (कर्ण सिंह के पिता) पर काफी डोरे डाले। वादा किया कि पाकिस्तान में उनका सूबा स्वायत्त राज्य रहेगा। महाराजा जब झांसे में नहीं आए तो जिन्ना ने अपनी फौज को धावे पर भेज दिया। समग्र हिन्दू जन और मुस्लिम कश्मीर ने पाकिस्तानियों का मुकाबला किया। सफल हुए तो ये ही राष्ट्रवादी, पाकिस्तान-विरोधी लोग अब क्यों बदल गए? इब्तिदा की थी भारत के मदरसों और जमियते इस्लामी के प्रचारकों ने जो भारत में कश्मीर के शामिल होने के साल भर में ही घाटी में पसर गए। मदरसे और मस्जिद बना डाले। अलगाववाद के बीज बो दिए। जरा इन प्रचारकों की भूमिका पर नजर डालें। मुस्लिम बहुल पश्चिम प्रांतों की सरकारें जिन्नावादी मुस्लिम लीग को चुनाव में पराजित कर सत्ता में आई थीं। सिंध, पंजाब, ब्लूचिस्तान, सीमांत प्रदेश आदि मुस्लिम राज्य अविभाजित भारत में पाकिस्तान का विरोध करते रहे। कश्मीर भी इन्हीं पड़ोसी प्रदेशों की कतार में था, जहां जिन्ना का अस्तित्व ही नहीं था। केवल अवध प्रांत के मुसलमान जिन्ना के साथ थे। इसी वर्ग के प्रचारकों ने कश्मीर की सेक्युलर व अराजनीतिक जनता को योजनाबद्ध तरीके से भरमाया। और मजहब मार्क्सवादी मायनों में अफीम बन गया। कश्मीर समस्या के समाधान में कई उपाय सुझाए गए पर सभी निष्प्रभावी रहे। आखिरी ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन और उनकी पत्नी के दबाव में नेहरू ने कश्मीर के विलय के बावजूद वहां जनमत संग्रह का वादा कर डाला। बस यही गले की फांस बन गई। दोहरी सोच रही भारतीय प्रधानमंत्री और कांग्रेसी नेताओं की, जब कश्मीर पर इतने उदार बन गए और सीमांत गांधी खान अब्दुल गफ्फार खान के पश्चिमोत्तर प्रांत और ब्लूचिस्तान की पाकिस्तान विरोधी जनता के साथ धोखा किया। जिन्ना के रहमोकरम पर छोड़ दिया। इन भारतीय नेताओं को अहसास तक न हुआ कि पाकिस्तानी जुल्मोसितम के शिकार ब्लूचिस्तान और कश्मीर रहे। पाकिस्तानी वायु सेना ने बम बरसा कर ब्लूच जनता को त्रस्त कर दिया। जबरन इस संघर्षशील प्रांत को पाकिस्तान में शामिल करा दिया। कश्मीर के महाराजा और प्रजा ने स्वेच्छा से भारतीय संघ में शामिल होना स्वीकारा। मगर भारतीय राजनीतिज्ञों ने विश्व मंच पर शोषित ब्लूच जनता की बात नहीं उठाई। उधर, कश्मीर में लोकतंत्र की मांग पाकिस्तानी फौजी तानाशाह दुनिया भर में उठाते रहे।कश्मीर के विषय में एक आधारभूत विशिष्टता पर गौर करना होगा। भारत के लिए कश्मीर महज भू-भाग या राज्य नहीं, एक जीवंत मसला है। मजहब के नाम पर कश्मीर भारत से पृथक नहीं हो सकता। इस्लाम के नाम पर कश्मीर को भारत से अलग राष्ट्र माना जाए तो फिर सेक्युलर भारत में बीस करोड़ मुसलमानों के बसने का आधार क्या होगा? यही बात मैंने कश्मीरी अलगाववादी नेताओं के समक्ष उठाई थी? उनका जवाब था कि कश्मीरी मुसलमानों का भारत के मुसलमानों से न कोई वास्ता है, और न कोई लेना-देना। क्या विडंबना है कि दुनिया में (इंडोनेशिया को छोड़कर) सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में है, और ये अल्पसंख्यक महफूज हैं। फिर भी मजहब का बहाना मिला कर कश्मीर अलग होना चाहता है। तय है कि जिस दिन मजहब के आधार पर कश्मीर भारत से जुदा होगा, उस दिन भारत के बहुसंख्यक भी अल्पसंख्यक को भारत से बाहर जाने की मांग उठाएंगे। कश्मीर में कुछ कट्टरवादियों खासकर पाकिस्तानी और तालिबानी एजेंटों को छोड़ दिया जाए तो एक बड़ा मुस्लिम वर्ग भारत की रक्षा में कुर्बानियां दे चुका है। मसलन, गुज्जर, बकरवाल और मुस्लिम पहाड़ी जन। जम्मू की सीमा पर सदियों से बसे ये मुस्लिम भारत-पाकिस्तानी युद्ध के समय भारतीय सेना के मददगार रहे। हिमालयी घाटी के भ्रमित मुस्लिम नेता सारे मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करने का ढोंग रचते हैं, तो वे इन भारत-समर्थक इस्लामी गुटों को भी अपना पक्षधर मान लेते हैं। कश्मीर को समझने में नई दिल्ली की भी अक्षमता रही। विश्व मंच पर ब्लूचिस्तान का मसला उठाकर पाकिस्तान के अमानुषिक कायरे का भंडा नहीं फोड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था कि भारत, पाकिस्तान के मामले के हस्तक्षेप नहीं करना चाहता। ब्लूचिस्तान में उसे कोई रुचि नहीं है। इससे शर्मनाक बयान नहीं हो सकता है। पाकिस्तान के शासकों द्वारा ब्लूचिस्तान में नरसंहार हो और मानवाधिकार के नाम पर भी भारत ब्लूचियों की हिमायत न हो। आज की परिस्थितियों में यथार्थ यही है कि जब भारत सरकार ही नीतिगत निर्णय लेने में पंगु हो तो फिर कश्मीर के भारतप्रेमियों को मदद कहां से मिलेगी? मोदी सरकार को जवाब देना होगा।

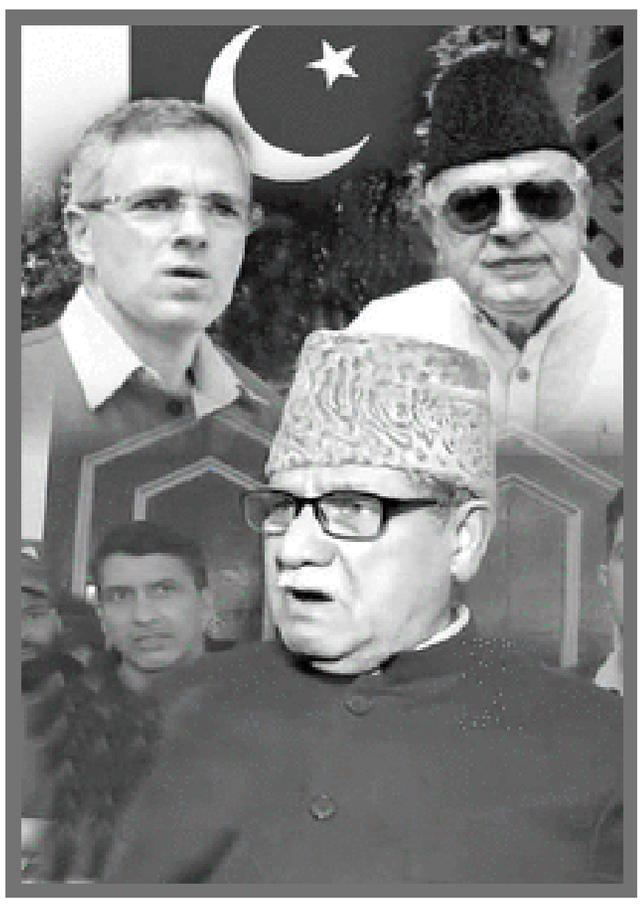

चलते चलते

प्रेममार्गी संत

अगर वे आपके सामने शर्म से गड़ने लगे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि चरित्र से बिगड़ने लगे हैं। वसंत-पंचमी भी तो राधे-राधे गाते हुए मनाई थी। वसंतोत्सव में कामदेव के वाण चले या नहीं? वेंलटाइन प्रेममार्गी संत थे। इस ग्लोबल गांव में युवाओं को मत रोकना चचा! मेरा एक छंद सुनिए, ''इनको कभी न रोकना, पछताएंगे आप। हार पड़ेगी माननी, प्यार नहीं है पाप।

छोरा-छोरी महासिब रात्री मनाय रए ऐं, कछू सरम ते गड़े भए पूछ रए ऐं, बैलैनटाइन ऊ मनाय लैं? कैसै रोकूं?-कैसे रोकेंगे आप? अगर वे आपके सामने शर्म से गड़ने लगे हैं, इसका मतलब यह नहीं है कि चरित्र से बिगड़ने लगे हैं। वसंत-पंचमी भी तो राधे-राधे गाते हुए मनाई थी। वसंतोत्सव में कामदेव के वाण चले या नहीं? वेंलटाइन प्रेममार्गी संत थे। इस ग्लोबल गांव में युवाओं को मत रोकना चचा! मेरा एक छंद सुनिए, ''इनको कभी न रोकना, पछताएंगे आप। हार पड़ेगी माननी, प्यार नहीं है पाप। प्यार नहीं है पाप, निडर हैं प्रेमी जोड़े। जाति-धर्म या रंग-वर्ण, रस्ते के रोड़े। इनके चेहरे दिव्य, लग रहे बड़े डिवाइन। कामदेव से संधि कर चुके वैलंटाइन।'-भोलेनाथ नै कामदेब कूं भसम कद्दियौ ओ! -फिर से जीवित भी तो कर दिया। जो जिंदा हैं उनका मन क्यों मार रहे हैं? कामनाएं जीवित रहने दीजिए न! कामदेव और वैलंटाइन को कोई आसन-सिंहासन नहीं चाहिए। वे हृदयों पर राज करते हैं। कामदेव कहते हैं कि काठ के आसन पर तो उल्लू बैठते हैं। मैं तो लल्लू और लल्ली के दिल में बैठ जाता हूं! मेरा प्रवेश स्वप्न में भी वर्जित नहीं है। युवा सपनों की उमंगों में मेरी भी धड़कनें होती हैं। सृष्टि के प्रथम पुरुष और स्त्री में जो संगीत बजा, मैंने ही तो साज सजाए! मनु-श्रद्धा, आदम-हव्वा, ऐडम-ईव, कुछ भी कहो, मेरे और मेरी सहचरी रति के ही मानवावतार थे।-वाह रे रति-कामदेव के भौंपू!-चचा, प्रकृति प्रसन्न है। फूल खिल उठे हैं, कलियां इठला रही हैं। भंवरे अपनी भंवरियों को मुगल-गार्डन ले जा रहे हैं, तितलियां अपने तितलों को प्रेम-पत्र लिख रही हैं।

इजहारोत्सव चल रहे हैं। ऐसा नहीं है कि प्रेम-संदेश महंगे वैलंटाइन काडरे पर ही यात्रा करते हैं। उधर रिक्शे वाला युवक अपनी मुग्धा को पीछे बिठाकर सर्राता हुआ चला जा रहा है। देखिए, एक हाथ से हैंडिल थामे, दूसरे से उसने गैंदे का फूल अपनी रानी को दे दिया। कामदेव उनकी हृदय-गतियों के पैडल घुमा रहे हैं। ये मिलकर जिम्मेदारी और प्रेम से सृष्टि-विस्तार करेंगे। रिक्शे की मधुर घंटी सुनिए और प्रेमोत्सव होने दीजिए!

फोटोग्राफी...

यह फोटो ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्र की कोरल रीफ का है, इसे वहीं के फोटोग्राफर जोशुआ स्मिथ ने नए प्रोजेक्ट 'द रीफ' में शामिल किया है। इसमें उन्होंने क्वी न्सलैंड के ग्रेट बैरियर रीफ के दृश्य शामिल करके यह दि खाने की कोशिश की है कि इनमें बदलाव हो रहा है। इस कारण समुद्री जीवों का संकट बढ़ रहा है। स्मिथ ने इस प्रोजेक्ट के माध्यम से यह दिखाने की कोशि श की है कि रीफ का संरक्षण किया जाना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस प्रोजेक्ट में सारे एरियल फोटोग्राफ ही लिए हैं, जिससे पूरे रीफ क्षेत्र का दृश्य वे ले पाए हैं। उनके प्रोजेक्ट में शामिल इस जगह को हार्टरीफ के नाम से जाना जाता है। द ग्रेट बैरियर रीफको 'लार्जेस्ट लिविंग थिंग ऑन अर्थ ' भी कहा जाता है। 2300 किमी लंबे इकोसिस्टम में हजारों रीफ और सैकड़ों आइलैंड 600 तरह की कोरल वाले हैं। canon.com.au

शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा

रेन अलिमोंग्लू एंड ए रॉबिन्सन ने अपनी किताब में लिखा है कि कोई भी राज्य गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी को खत्म कर सकता है बशर्ते वह शिक्षा में निवेश करे। शिक्षा व्यवस्था की दुर्दशा के कारण उत्तर प्रदेश सुर्खियों में है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि वहां का परिणाम उतार-चढ़ाव भरा रहा है। सन 1992 में कल्याण सिंह की सरकार में उत्तीर्ण प्रतिशत हाई स्कूल परीक्षा में सिर्फ 14 प्रतिशत था जो कि यूपी बोर्ड के 90 साल के इतिहास में न्यूनतम था और 2013 में 92.7 प्रतिशत जो अभी तक का उच्चतम प्रतिशत है। यह राजनीतिक इच्छाशक्ति का नतीजा है। राजनीतिक इच्छाशक्ति से ही वृहद स्तर पर नकल को रोका जाता रहा है। योगी सरकार ने भी मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति का इजहार किया है और सरकार ने शिक्षा माफिया को खत्म करने का पण्रलिया है। उत्तर प्रदेश बोर्ड की परीक्षा इसका उदाहरण है, जहां बोर्ड ने कुछ दिशा-निर्देश लागू करके; जैसे परीक्षा दो स्तरों पर करवाना, परीक्षा केंद्र में आधार कार्ड द्वारा प्रवेश अनिवार्य करना, प्रिंटेड प्रवेश पत्र की अनिवार्यता, परीक्षा में नकल को रोकने के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (एसआईटी) और क्षेत्रीय संस्थाओं का सहयोग लेना। इसका परिणाम यह हुआ कि अभी तक लगभग 10 लाख 50 हजार परीक्षार्थी परीक्षा छोड़ चुके हैं। जैसा कि हमें मालूम है कि लगभग 61 लाख परीक्षार्थियों में से 15 प्रतिशत ने परीक्षा ही नहीं दी। सरकार सुशासन के प्रति अपनी इच्छा शक्ति को दिखा रही है, यह सराहनीय है। अपर्याप्त स्कूली ढांचा बड़े पैमाने पर शिक्षकों का स्कूलों से अनुपस्थित रहना, शिक्षकों के खाली पद, लाइब्रेरी और प्रयोगशालाओं की कमी से राज्य की शिक्षा व्यवस्था दिशाहीन हो गई है। 2009 में शिक्षा को मौलिक अधिकार की सूची में रखा गया है परंतु सर्वांगीण विकास की दृष्टि से स्कूली ढांचागत सुविधाओं का विश्लेषण करते हैं तो पाते हैं कि शिक्षक-प्रशिक्षित शिक्षकों, खेल के मैदानों, प्रयोगशालाओं, बिजली, शौचालय आदि के मामले में उत्तर प्रदेश लकवाग्रस्त दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद, भारत का सबसे बड़ा माध्यमिक बोर्ड है। 2018 में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में लगभग 28 लाख विद्यार्थी परीक्षा दे रहे हैं वहीं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड में यह संख्या करीब 61 लाख है। उत्तर प्रदेश की अंदरूनी क्षेत्रीय विषमता को देखते हैं तो पाते हैं कि उत्तर पूरब का जो क्षेत्र है, वहां शैक्षणिक आंकड़ा 49 प्रतिशत है, जबकि उत्तर पश्चिमी क्षेत्र में शैक्षणिक आंकड़ा 85 प्रतिशत है। सबसे आश्चर्य की बात यह है कि उत्तर प्रदेश 2014-15 में कक्षा 6 से 8वीं तक प्रति विद्यार्थी 13,102 रुपये खर्च करती है वहीं भारत के स्तर पर 11,252 रुपये खर्च करती है। इसके बावजूद अध्ययन के परिणाम बहुत कम है। यह एक व्यापक भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करता है। जब हम डाटा का आंकलन करते हैं तो पाते हैं कि अंकगणित कौशल स्तर में भी गिरावट आई है। 2007 अंकगणित कौशल प्रतिशत 30 था जो अब घटकर 24 प्रतिशत हो गई है। प्रदेश के 55 प्रतिशत विद्यार्थी ही नियमित तौर पर स्कूल जाते हैं। प्राथमिक विद्यालयों में 45 प्रतिशत कम शिक्षक हैं वहीं माध्यमिक विद्यालयों में 44 प्रतिशत कम शिक्षक हैं। लगभग 5 लाख शिक्षकों की कमी है। शिक्षा पण्राली को लेकर भ्रमित दृष्टिकोण के चलते राज्य युवा आबादी को शिक्षित-प्रशिक्षित करने की तैयारी में नहीं दिखती। सरकार को दूरगामी कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही 10 लाख 50 हजार छात्रों को सप्लीमेंट्री परीक्षा देने का मौका देना चाहिए ताकि बच्चों को बहुमूल्य साल न गंवाना पड़े। गिरती हुई शिक्षा व्यवस्था प्रदेश की उन्नति में बाधा है और जब तक इससे निजात नहीं मिलेगी तब तक उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश का गौरव हासिल नहीं कर सकता।

ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका रोटरडम ओपन के पहले दौर में हारे

नयी दिल्ली। तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन स्टेन वावरिंका एक सेट की बढ़त का फायदा नहीं उठा सके और रोटरडम ओपन के पहले दौर में हालैंड के टालोन ग्रिक्सपूर से 4-6, 6-3, 6-2 से हार गये। रोटरडम। तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन स्टेन वावरिंका एक सेट की बढ़त का फायदा नहीं उठा सके और रोटरडम ओपन के पहले दौर में हालैंड के टालोन ग्रिक्सपूर से 4-6, 6-3, 6-2 से हार गये।

स्विट्जरलैंड के पांचवें वरीय वावरिंका को आस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे दौर में टेनीस सैंडग्रेन से और पिछले हफ्ते सोफिया ओपन सेमीफाइनल में बोस्निया के मिर्जा बेसिक से हार का मुंह देखना पड़ा था। बत्तीस वर्षीय वावरिंका 2015 में रोटरडम में विजेता रह चुके हैं, लेकिन घुटने के दो आपरेशन के बाद फार्म हासिल करने में जूझ रहे हैं। बेल्जियम के चौथे वरीय डेविड गोफिन पिछले साल उप विजेता रहे थे, उन्होंने निकोलस महुत को सीधे सेटों में 6-1, 6-3 से जीत दर्ज कर अंतिम 16 में प्रवेश किया। वहीं रोजर फेडरर अपने अभियान की शुरूआत करेंगे। नौंवे वरीय जाइल्स मुलर को रूस के क्वालीफायर डेनिल मेदवेदेव से 6-4, 7-6 से हार का मुंह देखना पड़ा। सर्बिया के विक्टर ट्रोइकी ने जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 1-6, 7-6, 6-2 से मात दी जबकि जर्मनी के फिलिप कोलश्रेबर ने रूस के कारेन खाचानोव को 3-6, 7-6, 7-6 से हराया।

चेन्नई ओपन: थॉम्पसन, भांबरी आसान जीत के साथ दूसरे दौर में

चेन्नई। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष वरीय जोर्डन थॉम्पसन और भारत के दूसरी वरीयता प्राप्त युकी भांबरी सीधे सेटों में जीत के साथ आज यहां चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गये। युकी ने स्पेन के बेर्नाबे जाप्टा मिरालेस को 6-1, 7-6 से हराया। थॉम्पसन ने मिस्र के मोहमेद मामॉन को 6-4, 6-2 से मात दी। स्थानीय क्वालीफायर खिलाड़ी अभिनव संजीव शनमुगाम भी दूसरे दौर में जगह पक्की करने में सफल रहे। उनका विरोधी रूसी खिलाड़ी इवान नेडेल्को पेट में दर्द के कारण मैच से हट गया। स्पेन के मार्टिनेज पेड्रो ने एक अन्य स्थानीय खिलाड़ी प्रजनेश गुणेश्वरन को 6-1, 6-4 से मात दी।

राज्य संघों को भेजे पत्र में गलती से बीसीसीआई की हुई फजीहत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उस वक्त फजीहत का समाना करना पड़ा जब उसने राज्य संघों को भेजे पत्र में 2017-18 सत्र की जगह 2016-17 लिख दिया गया। बीसीसीआई के कार्यवाहक सचिव अमिताभ चौधरी ने राज्य संघों को मुंबई में 28 फरवरी को होने वाली कप्तानों-कोचों की सालाना बैठक के लिए जो पत्र भेजा उस पर मौजूदा सत्र 2017-18 की जगह 2016-17 लिखा है। इस पत्र की प्रति पीटीआई को भी मिली है जिसमें कहा गया, '' इस बैठक का मकसद कप्तानों और कोचों से 2016-17 में खत्म हुए रणजी ट्राफी सत्र के बारे प्रतिक्रिया लेना और चर्चा करना है। साफ तौर पर यह प्रशासनिक विभाग की तरफ से की गयी तथ्यात्मक और टाइपोग्राफिक त्रुटि है, लेकिन ज्यादातर राज्य संघ इस बात से खफा है कि इसका पता चलने के बाद भी किसी ने अब तब इस गलती को सही करने की कोशिश नहीं की। राज्य संघ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम ना छापने की शर्त पर कहा कि यह उनकी गलती है लेकिन ऐसा लग रहा कि उन्होंने पिछले साल के पत्र को फिर से कापी-पेस्ट कर भेज दिया है। उन्हें थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है किसी भी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले सचिव को एक बार पढ़ लेना चाहिये । यह घरेलू मैचों को लेकर बीसीसीआई के रूख को दर्शाता है।

टी-20 श्रृंखला के लिए डुमिनी को मिली कमान

पोर्ट एलिजाबेथ। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने भारत के खिलाफ 18 फरवरी से शुरू हो रही 3 मैचों की टी-20 श्रृंखला के लिए मंगलवार को जेपी डुमिनी को कप्तान बनाया। डुमिनी टीम के नियमित कप्तान फाफ डुप्लेसिस की जगह टीम की बागडोर संभालेंगे। डुप्लेसिस मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला के डरबन में हुए पहले मैच में चोटिल हो गए थे।कार्यवाहक कप्तान एडेन मार्कराम और अनुभवी बल्लेबाज हाशिम आमला को टी-20 श्रृंखला से विश्राम दिया गया है। बल्लेबाज क्रिश्चियन जोंकर को टीम में जगह दी गई है जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन और तेज गेंदबाज जूनियर डाला को पहली बार टी-20 टीम में चुना गया है। लेग स्पिनर इमरान ताहिर को टीम से बाहर रखा गया है जिस पर मुख्य चयनकर्ता भलडा जोंडी ने कहा कि उन्हें विश्राम दिया गया है ताकि बाएं हाथ के स्पिनर तबरेज शम्सी और आरोन फांगिसो को ज्यादा मौके मिल सके। तेज गेदबाज मोर्ने मोर्कल, कागिसो रबादा और लुंगी एनगिडी को भी विश्राम दिया गया है।

टीम: जेपी डुमिनी (कप्तान), फरहान बेहरदीन, जूनियर डाला, एबी डिविलियर्स, रेजा हेंड्रिक्स, क्रिश्चियन जोंकर, हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर, क्रिस मौरिस, डेन पेटरसन, आरोन फांगिसो, एंडिले फ़ेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, जान-जान स्मट्स।

रोहित ने कहा, यह विदेशों में भारत की सबसे बड़ी वनडे जीत है

पोर्ट एलिजाबेथ(एजेंसी)।

भारतीय उप कप्तान रोहित शर्मा को लगता है कि टीम ने मौजूदा सीरीज में दक्षिण अफ्रीका को पस्त कर विदेशों में सबसे बड़ी वनडे सीरीज अपने अपने नाम की। भारत ने पांचवां वनडे 73 रन से जीतकर छह मैचों की सीरीज में 4-1 से अजेय बढ़त बना ली है। अंतिम मैच सेंचुरियन में 16 फरवरी को खेला जायेगा। रोहित ने 115 रन की शानदार शतकीय पारी खेली,

उन्होंने कहा, ''निश्चित रूप से, मुझे लगता है कि यह विदेशों में वनडे मे हमारी सबसे बड़ी जीत है। यह अच्छी जीत है क्योंकि यह द्विपक्षीय सीरीज थी। इससे पहले हमने आस्ट्रेलिया में 2007-08 में सीबी त्रिकोणीय सीरीज जीती थी। हालांकि वो श्रृंखला भी काफी कठिन थी।' उन्होंने कहा, ''मेरे लिये, दोनों की तुलना करना काफी मुश्किल है। मुझे लगता है कि यह सीरीज हमारे लिये काफी मायने रखती है। हम जिस तरह से पहले मैच से खेले थे, उसे देखकर साफ पता चलता है कि हमने सीरीज में दबदबा बनाया और नतीजा भी सबके सामने है।'

रोहित ने कहा कि मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद टीम ने पूरी तरह दबदबा बनाया जिससे यह जीत काफी विशेष बन गयी है। उन्होंने कहा, ''यह जीत सबमें बिलकुल ऊपर रहेगी। 25 वर्षों के बाद हमने दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीती है। क्रिकेट खेलने के लिये यह बिलकुल भी आसान जगह नहीं है, निश्चित रूप से सीरीज जीतने के लिये तो यह बिलकुल आसान जगह नहीं है। मुझे लगता है कि इसके लिये काफी श्रेय खिलाड़ियों को जाता है।%% रोहित ने कहा, ''जिस भी खिलाड़ी को मौका मिला, उसने हाथ उठाकर चुनौती अपने कंधों पर ली। अगर आप पूरी वनडे सीरीज को देखो तो इसमें हमारा प्रदर्शन दबदबे वाला था। इससे बतौर टीम विदेशों में जाने के लिये और वहां सीरीज जीतने के लिये हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा ही।' उन्हें साथ ही यह भी लगता है कि टेस्ट सीरीज भी एकतरफा मुकाबला नहीं थी जिसमें भारतीय टीम 1-2 से हार गयी थी। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि टेस्ट सीरीज बहुत ही करीबी थी। यह किसी भी तरफ जा सकती थी। जो भी हो, हमें अपने प्रदर्शन पर गर्व है और आज जो हमने हासिल किया, उस पर हमें गर्व है।'

भारत से मिली हार के लिये कोई बहाना नहीं: ओटिस गिब्सन

दक्षिण अफ्रीका के निराश कोच ओटिस गिब्सन ने कहा कि उनके पास इस हार के लिये कोई बहाना नहीं है जिससे उन्हें आगे के लिये काफी कुछ सोच विचार करना होगा। पांचवें वनडे में मेजबानों पर 73 रन की जीत से भारत की दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं पर सभी प्रारूपों में पहली सीरीज में जीत सुनिश्चित हुई। विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम ने छह मैचों की श्रृंखला में 4-1 से अजेय बढ़त बना ली। गिब्सन ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''मैंने ड्रेसिंग रूम में खिलाड़ियों से कहा था कि हम बहाने नहीं बनायेंगे लेकिन बेहतर करने की कोशिश करेंगे। भारत के खिलाफ मिली हार ने हमें आगे सोचने के लिये बाध्य कर दिया है।' उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि हम विश्व कप पर ध्यान लगाये हुए हैं लेकिन मुझे नहीं लगता कि आज जो आपने टीम देखी, वह उस टूर्नामेंट में जायेगी।' गिब्सन ने स्वीकार किया कि भारत के कलाई के स्पिनर युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव ने वनडे सीरीज में उनकी टीम की पोल खोल दी लेकिन उन्हें लगता है कि वे इंग्लैंड में विश्व कप में इतने फायदेमंद हो सकते हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि भारत के पास दो विश्व स्तरीय स्पिनर हैं और वे भले ही कहीं भी गेंद स्पिन करा सकते हों लेकिन हमारे पास इससे निपटने की कला सीखने के लिये पूरा साल बचा है। लेकिन मुझे नहीं लगता कि इंग्लैंड में गेंद इतनी स्पिन करेगी।'

आईसीसी रैंकिंग: सीरीज जीत के साथ भारत फिर बना नम्बर वन

दुबई (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीका की धरती पर पहली बार सीरीज जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय क्रिकेट टीम एक बार फिर से आईसीसी वनडे रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है।

भारत ने मंगलवार रात को दक्षिण अफ्रीका को पांचवें वनडे मैच में 73 रन से हराकर छह मैचों की वनडे सीरीज में 4-1 की अपराजेय बढ़त बना ली है। भारतीय टीम जब वनडे सीरीज में खेलने उतरी थी तो उस समय वह 119 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर थी।

लगातार दो मैच जितते ही टीम इंडिया पहले नंबर पर पहुंच गई थी, लेकिन अब सीरीज में 4-1 की अपराजेय बढ़त बनाने के साथ ही भारतीय टीम के 122 अंक हो गए हैं और वह सीरीज समाप्त होने के बाद भी नंबर वन स्थान पर कायम रहेगी। दक्षिण अफ्रीका अब 118 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गई है।

दोनों देशों के बीच सीरीज का छठा और अंतिम मैच शुक्रवार को खेला जाना है। अगर भारत यह मैच जीत जाता है तो वह 123 अंकों के साथ सीरीज का समापन करेगा और अगर वह हार जाता है तो 121 अंकों के साथ नंबर वन पर कायम रहेगा।

अक्टूबर 2017 के बाद से यह पांचवीं बार होगा जब भारत वनडे रैंकिंग में शीर्ष पर रहकर सीरीज का समापन करेगा। भारतीय टीम मौजूदा समय में टेस्ट रैंकिंग में भी शीर्ष पर है।

दक्षिण अफीका के इस गेंदबाज को महंगा पड़ा धवन के खिलाफ आक्रामकता दिखाना

दुबई। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कागिसो रबादा को पांचवें वनडे में भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन के खिलाफ आक्रामकता दिखाना महंगा पड़ गया है। इस कारण आज उनकी मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया और उनके खाते में एक डिमैरिट अंक भी जुड़ गया। ऐसा पोर्ट एलिजाबेथ में शिखर धवन के आउट होने के बाद उनके इस खिलाड़ी पर आक्रामक भावभंगिमा करने के लिए किया गया। भारतीय पारी के आठवें ओवर में यह घटना घटी जब रबादा ने धवन को आउट करने के बाद पवेलियन लौट रहे इस बल्लेबाज की ओर इशारा किया और एक टिप्पणी की, जिस पर बल्लेबाज प्रतिक्रिया कर सकता था। भारत ने यह मैच 73 रन से जीतकर छह मैचों की सीरीज में 4-1 की बढ़त बना ली है। आईसीसी ने बयान में कहा कि रबादा के खाते में एक डिमैरिट अंक भी जुड़ गया है, क्योंकि उन्हें खिलाडियों और सहयोगी अधिकारियों की आईसीसी आचार संहिता की धारा एक के उल्लघंन का दोषी पाया गया। मैदानी अंपायर इयान गोल्ड और शॉन जार्ज, तीसरे अंपायर अलीम डार और चौथे अंपायर बोंगानी जेले ने 2.1.7 धारा के अंतर्गत उन पर आरोप लगाए। रबादा ने आईसीसी मैच रैफरी के एलीट पैनल के एंडी पाइक्रोफ्ट द्वारा लगाया गया यह उल्लघंन स्वीकार कर लिया, जिससे किसी आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। इस तेज गेंदबाज के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में पांच डिमैरिट अंक हो गए हैं, जिन्हें श्रीलंका के खिलाफ वनडे में आठ फरवरी 2017 को तीन जबकि इंग्लैंड के खिलाफ सात जुलाई 2017 को लॉर्ड्स टेस्ट में एक डिमैरिट अंक मिला था।

भारत/दक्षिण अफ्रीका: वनडे सीरीज जीतने के बाद टी-20 सीरीज में भी

पॉचेफस्ट्रूम (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)।

मिताली राज की 54 रनों की पारी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका पर वनडे के बाद टी-20 सीरीज में भी अपना दबदबा बनाए रखा है। मंगलवार को खेले गए पहले टी-20 मुकाबले में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीकी महिलाओं को सात विकेट से मात देकर पांच टी-20 मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़ बना ली।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 164 रन बनाए। उनकी ओर से कप्तान डेन वॉन निकेर्क ने सर्वाधिक 38 रन की पारी खेली। इसके अलावा अंतिम ओवरों में क्लोई टिओन ने सात गेंद पर चार चौके और दो छक्के की मदद से 32 रन की तूफानी पारी खेली। भारत की ओर से अनुजा पाटिल ने दो, जबकि पूजा वस्त्रकर और शिखा पांडे ने एक-एक विकेट झटके।

167 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने तीन विकेट गंवाकर 18.5 ओवर में 168 रन बना डाले। मिताली राज और स्मृति मंधाना की जोड़ी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिए 47 रन की साडेदारी की। मंधाना 28 रन बनाकर आउट हुई और उनके बाद हरमनप्रीत कौर बिना खाता खोले ही पहली गेंद पर रन आउट हो गई। इसके बाद मिलाती ने जेमिमाह रोडिगुज (37 रन) के साथ मिलकर भारतीय पारी संभाली लेकिन रोडिगुज 37 रन बनाकर आउट हुई।

इसके बाद भारत ने कोई विकेट नहीं गंवाया और आखिरकार मिताली (नाबाद 54) ने वेदाकृष्णमूर्ति (नाबाद 37) के साथ टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले भारतीय महिला टीम का वनडे सीरीज में भी प्रदर्शन अच्छा रहा था और उन्होंने वह सीरीज 2-1 से जीती थी।

जे.सी.आई ने वेलेन्टाईन डे पर शहीदों को श्रद्धांजलि देकर पूर्व सैनिकों का किया सम्मान

सूरत। जे.सी.आई द्वारा सूरत जिला के आर्मी नेवी और एयरफोर्स के 60 पूर्व सैनिकों का शाला परिसर में आयोजित कार्य क्रम में सभी को भगवतगीता अर्पण करके तथा शाल ओढाकर सम्मान किया। इसके साथ ही शहीद हुए जवानों को श्रद्धांजलि देकर अनोखे ढंग से वेलेन्टाइन डे मनाया।

उधना के पास राजधानी ट्रेन से कटी गाय

पौना घंटे तक खड़ी रही राजधानी

संवाददाता, सूरत। उधना रेलवे स्टेशन के नजदीक भीम नगर के पास मुबंई की ओर से आ रही बांद्रा टर्मिनस - निजामुद्दीन एम्क्सप्रेस ट्रेन से गाय टकरा गई। जिससे ट्रेन का हौज पाइप फट गया। प्रेसर लीक होने से राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन उधना रेलवे स्टेशन पर लगभग 50 मिनट तक रूकी रही। जिससे दिल्ली की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। वहीं स्टेशन पर नास्ता, चाय व अन्य स्टॉल पर यात्रियों की भीड़ लगी रही। लगभग साढ़े सात बजे के हौज पाइप दुरूस्त होने के बाद राजधानी ट्रेन उधना स्टेशन से निजामुद्दीन के लिए रवाना हुई।

बाइक सवार के गले से चेन छीन कर भागे स्नेचर

सूरत। पिपलोद बाला नगर के पास बाइक से जा रहे एक व्यक्ति के गले में से मोटरसाइकिल पर आए दो स्नेचरों ने चलती गाड़ी में ही चेन झपटकर फरार हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिपलोद की भाग्य लक्ष्मी सोसाइटी घर नं. 49-50 में रहने वाले सुरेन्द्रमणि श्रीनिवास त्रिपाठी सेवा निवृत्त कर्मचारी हैं। मंगलवार को सुरेन्द्रभाई अपनी बाइक से पिपलोद बालाजी के पास से जा रहे थे। उसी समय पीछे से मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए दो उचक्कों ने अपनी गाड़ी सुरेन्द्र की गाड़ी के पास सटा करके उनके गले में से 60 हजार रुपए की सोने की चेन झपट कर फरार हो गए। सुरेन्द्रभाई ने घटना के संदर्भ में उमरा पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उधना स्टेशन पर खुलेगा अस्थायी टिकट काउंटर

सूरत। प्रति वर्ष होली पर प्रवासियों को गांव जाने से होने वाली भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने उधना रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त टिकट काउंटर खोलने का निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार उधना रेलवे स्टेशन पर फिलहाल तीन टिकट काउंटर है। लेकिन आरक्षण टिकट लेने वालों को काफी कठिनाईयों को सामना करना पड़ रहा है। होली पर गांव जाने वाले यात्रियों को भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने उधना स्टेशन पर अतिरिक्त टिकट काउंटर बनाने को निर्णय लिया है। जिससे गांव जाने वाले यात्रियों को आरक्षण टिकट बुक कराने में आसानी होगी। वहीं झांसी जाने वाली बांद्रा- झांसी एक्सप्रेस में होली को देखते हुए अस्थाई रूप से तीन एसी टियर कोच जोड़ने का निर्णय लिया गया है। यह कोच 21 मई तक लगे रहेंगे।

उधना की महिला फांसी लगा दी जान

सूरत। उधना हरीनगर-3 में रहने वाली विवाहित महिला ने किन्हीं कारणों से पंखे के साथ साड़ी बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उधना के हरीनगर-3, अंबेमाता मंदिर की गली, मकान नं. 211 में रहने वाले भिखारी चरण स्वेन की पत्नी सुजाताबेन (31 वर्ष) ने किन्ही अज्ञात कारणों से अपने घर में लगे छत के साथ साड़ी बांधकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही पुलिस स्थल पर पहुंचकर मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्ट के लिए सिविल अस्पातल में भेजकर आगे की कानूनी जांच कर रही है।

रक्तदान से मनाया वेलेंटाइन डे

स्मीमेर अस्पताल में वार्डबॉय ने किया रक्तदान

सूरत। शहर में बुधवार को सुबह से ही शहर के बाग-बगीचो, स्कूलों-कॉलेजों व पर्यटक स्थलों पर नव युवक- युवतियां प्यार का इजहार कर रहे थे। जबकि सहारा दरवाजा स्थित मनपा संचालित स्मीमेर अस्पताल के वार्डबॉय ने रक्तदान शिविर में रक्तदान कर इन युवाओं को मानवीय मूल्यों का संदेश दिया। स्मीमेर अस्पताल में बुधवार सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले रक्तदान शिविर में ओपीडी विभाग, एमएलसी काउंटर, केस खिड़की, सहित अन्य वार्ड में काम करने वाले वार्ड बॉय ने स्वेच्छिक रक्तदान कर प्यार को अपना सब कुछ मानने वाले युवा पीढ़ी को मानवीय सेवा का संदेश दिया।

पूणा से अपहरण किए गए बालक को पुलिस खोज निकाली

डेढ़ साल के बच्चे का अपहर्ता भी लगा पुलिस से हाथ

सूरत। शहर के पूणा विस्तार से तीन दिन पहले डेढ़ साल के बालक का उसकी मां की गोद से खींचकर अपहरण करने वाले को पुलिस ने गिरफ्फ्तार करके बालक को खोज निकालने में सफलता पाई है।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के अनुसार परवत पाटिया के पास इंटरसिटी हॉल के पास अक्षर टाउनशिप में रहने वाले विजय अग्रवाल की पत्नी वंदनाबेन की पुत्री खुशी (3 वर्ष) झील रत्न नर्सरी स्कूल में पढ़ती है। गत 12 फरवरी को वंदनाबेन अपने डेढ़ साल के पुत्र हार्दिक को गोद में लेकर पुत्री खुशी को लेने के लिए झील रत्न स्कूल गई थीं। वहां से लौटते समय एक व्यक्ति ने डेढ़ साल के पुत्र हार्दिक को वंदना की गोद से खींच लिया और एक रिक्शा में बैठकर फरार हो गया था। इस संदर्भ में पुलिस थाने में अपहरण का मामला दर्ज होने पर शहर की पुलिस सकते में आकर गहनता से जांच शुरू की थी।

जांच के दौरान पुलिस ने नई टेक्नोलॉजी का उपयोग करके अपहर्ता तक पहुंचने का प्रयास कर रही थी। तभी बारडोली और स्थानीय जनता की इस केस में मदद मिली। पुलिस ने बारडोली के सर्किट हाउस के पास पहुंचकर मीढोला नदी के पुल के पास से मासूम बच्चे को सुरक्षित हालत में कब्जे में लेकर आरोपी पोख उदेयपुरवाटी, जिला झुनझुन राज-स्थान को गिरफ्फ्तार कर लिया है। पुलिस बालक का किसलिए अपहरण किया, इस बारे में गहनता से पूछताछ कर रही है।

अडाजण के युवक ने भी लगाई फांसी

सूरत। अडाजण पालनपुर जकातनाका के पास रहने वाले एक युवक द्वारा अज्ञात कारणों से फांसी लगा आत्महत्या कर लेने की घटना अडाजण पुलिस थाने में दर्ज कराई गई है।

पुलिस सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के पालनपुर जकातनाका के पास स्थित संत तुकाराम सोसाइटी-6, घर नं. 441 में रहने वाले वसंतभाई पांडुरंगभाई कामले के पुत्र आनंदभाई (40 वर्ष) ने बुधवार को रात 11 बजे के लगभग किन्हीं कारणों से अपने घर में पतरा के नीचे लगी लकड़ी में चादर को बांधकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली। आनंद ने किन कराणों से ऐसा कदम उठाया, इस बारे में अडाजण पुलिस जांच कर रही है।

गुजरात के बेरोजगारों को 3000 से 10000 तक मिलेगा भत्ता

पहले वर्ष 1 लाख युवकों को मिलेगा लाभ, केन्द्र की मदद से योजना होगी साकार

सूरत। गुजरात राज्य में भूतकाल में आयोजित होने वाले चुनाव में विरोधी पार्टी कांग्रेस द्वारा बेरोजगारी के मुद्दे पर भाजपा को बैकफुट पर ला दी है। राज्य में सतत बढ़ रही वेरोजगारी के ग्राफ से पिछले 22 साल से सत्ता में रही भाजपा सवालों के घेरे में है। इस लिए नई भाजपा सरकार ने राज्य में बेरोजगारी का भत्ता और युवाओं को स्किल ट्रेनिंग के लिए 3000 रुपए से 10000 रुपए तक मासिक भत्ता अथवा स्टाइपेंड देने के लिए गंभीरता से विचार कर रही है।

राज्य सरकार ऐसा कदम उठाकर शिक्षित और बेरोजगार युवाओं के बीच छाए असंतोष को कम करने का प्रयास करने जा रही है। श्रम और रोजगार विभाग के मंत्री दिलीप ठाकोर ने कहा कि पहले वर्ष कम से कम एक लाख युवाओं को इस योजना के द्वारा लाभान्वित करने की हमारी इच्छा है। इसके अंतर्गत पहले वर्ष कम से कम 1 लाख युवकों को प्राइवेट सेक्टर में जॉब मिले, इसलिए ट्रेनिंग दी जाएगी। आगामी बजट में इसके लिए सरकार खास प्रावधान लेकर आएगी।

गुजरात के बेरोजगारों को 3 से 10 हजार भत्ता देने पर विचार

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात सरकार राज्य में बेरोजगारी भत्ता और युवाओं को स्कील ट्रेनिंग के लिए रु. 3000 से रु. 10000 तक मासिक भत्ता या स्टाइपेन्ड देने पर विचार कर रही है। आगामी 20 फरवरी को पेश होनेवाले राज्य के बजट में गुजरात सरकार इसका ऐलान कर सकती है। राज्य में पिछले पांच साल से बेरोजगारी का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है, जिसे लेकर सरकार चिंतित है। श्रम एवं रोजगार मंत्री दिलीप ठाकोर के मुताबिक पहले साल कम से कम एक लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना सरकार का लक्ष्य है। राज्य सरकार केन्द्र सरकार के साथ मिलकर बेरोजगार शिक्षति युवाओं और अक्षरज्ञान धारक युवाओं को टेकनिकल एवं वित्तीय मदद मुहैया कराने की एक योजना तैयार करेगी। जिसके तहत पहले साल कम से कम एक लाख युवकों को निजी सेक्टर में नौकरी दिलाने के लिए ट्रेनिंग दी जाएगी। राज्य सरकार आगामी बजट में इसके लिए प्रावधान करेगी। बेरोजगार युवकों को 1 साल के लिए स्टाइपेन्ड और स्कील ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार निजी कंपनियों के साथ कोन्ट्रेक्ट करेगी जो युवाओं को ऑन जोब ट्रेनिंग और साथ ही टोकन मनी भी देगी। इस योजना को साकार कर वित्तीय एवं टेकनिकल मदद के लिए गुजरात सरकार ने केन्द्र सरकार से संपर्क किया है।

एस टी बस-ट्रक के बीच टक्कर, 10 से अधिक जख्मी

आणंद (ईएमएस)। जिले के तारापुर वटामण हाईवे पर एसटी बस और ट्रक के बीच भिडंत हो गई। इस हादसे में 10 से अधिक लोग जख्मी हो गए। घायलों में 2 की हालत गंभीर है। पुलिस ने एसटी बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरु की है। सूत्रों के मुताबिक आणंद जिले के वटामण हाईवे पर जुनागढ से सुरत बीलीमोरा जा रही एसटी बस गुजर रही थी। इस दौरान बस चालक का स्टीयरींग पर से काबु हट गया और सामने से आ रहे एलपीजी टैंकर से साथ बस की टक्कर हो गई। इस हादसे में टैंकर और बस के आगे का हिस्सा सम्पूर्ण क्षतिग्रस्त हो गया। बस और टैंकर चालक समेत बस में सवार 10 लोगों को छोटी-मोटी चोटे आई। इस घटना के बाद स्थानीय लोग इकठ्ठा हो गए और हादसे के कारण हाईवे पर दोनों साईड पर कुछ समय के लिए चक्काजाम हो गया। इस घटना में इंडियन ओइल कंपनी के टेंकर में गैस रिसाव नहीं होने पर बड़ा हादसा टल गया।

गिरनार डेवलपमेंट अथॉरिटी का गठन करने का ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने जूनागढ़ स्थित गिरनार की तलहटी में लगनेवाले महाशिवरात्री मेले को मिनी कुम्भ घोषित करने के साथ ही गिरनार डेवलपमेंट अथॉरिटी का गठन कर गिरनार का विकास करने का ऐलान किया। जूनागढ़ की गिरनार तलहटी के पौराणिक और परम्परागत महाशिवरात्री मेले में विजय रूपाणी ने भवनाथ महादेव के दर्शन किए और साथ ही महाशिवरात्री मेले में दिगम्बर साधुओं की शाही रवेडी के दर्शन किए। मेले के इतिहास में दिगम्बर साधुओं की शाही रवेडी के दर्शन करने वाले वह प्रथम मुख्यमंत्री हैं। शिवजी के दर्शन और आराधना करने पहुंचे रूपाणी ने यहां पांच लाख से ज्यादा भक्तों का अभिवादन स्वीकार किया और भारती आश्रम पहुंचे जहां उनका स्वागत- सत्कार किया गया। मुख्यमंत्री ने यहां कहा कि 33 करोड़ देवी- देवताओं के बिराजमान होने के कारण इस स्थल के प्रति भक्तों में बहुत श्रद्धा है। इसे ध्यान में रखते हुए गिरनार क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जाएगा और इसके लिए गिरनार डवलपमेंट अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। उन्होंने साधु- संतों और नागरिकों की भावनाओं को सम्मान देते हुए बरसों पुरानी गिरनार की तमाम सीढ़ियों की मरम्मत और जीणोद्धार करवाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि जूनागढ़ और गिरनार के तीर्थ स्थलों के विकास के लिए गुजरात सरकार जरूरत के मुताबिक तमाम सुविधाएं उपलब्ध करवाएगी। तलहटी स्थित पंचदशनाम जूना अखाड़ा की बरसों पुरानी जमीन का नियमन करने सम्बन्धी आदेश की कॉपी भी उन्होंने अखाड़े के संतों को प्रदान की।

मां के आंचल बिना बीत गया छोटी का बचपन क्षय रोग ने गायब कर दी परिवार की हंसी

सूरत। यह कहानी एक ऐसे परिवार की है, जहां लोग मिलजुल कर और हंसी ख्खुशी से जीना पसंद करते हैं। लेकिन एक ही झटके में उस हंसते-ख्खेलते हुए परिवार की हंसी गायब हो गई और घर में सबसे छोटी नटख्खट और शरारती पुत्री के सिर से मां की आंचल का छांव छिन गया। मां के आंचल के छांव की कसक आज भ्भी छोटी के दिल में हिलोरे मार रही हैं। यूपी से हरिराम जायसवाल आजीविका की तलाश में सिल्क व डायमंड नगरी सूरत पहुंच जाते हैं और निजी कंपनी में काम करने लगते हैं। कुछ दिनों बाद हरिराम अपनी पत्नी कैलाशीदेवी, पुत्री रीना, राजू, मीना, संजीव व बीना को लाते हैं। जहां बड़ी पुत्री रीना जितनी सीधी व भोली है। वहीं हरिराम की सबसे छोटी पुत्री बीना उतनी ही शरारती, नटख्खट व जिद्दी है। इसलिए उसे छोटी के नाम से लोग पुकारने लगे। वह अपना कैरियर फिल्म जगत में बनाना चाहती है। वह अपने हिरोइन बनने के सपने को साकार करने के लिए टीवी के आगे पूरे दिन बैठी रहती और किसी डांस व प्रोग्राम को देख्खते ही उसके पांव थिरकने लगते हैं। वहीं हरिरामजी परिवार का भ्भरण पोषण करने के लिए 12 घंटे फैक्ट्री में काम करते हैं। अचानक एक दिन उनकी नौकरी छूट जाती है। कई दिनों तक नौकरी की तलाश में लगे रहे लेकिन नौकरी नहीं मिली।

वहीं पूरे परिवार के सामने ख्भ्भूख्खमरी की हालत दिख्खाई देने लगी। उसके बाद हरिराम नौकरी की आस छोड़कर सब्जी की लारी लगाने लगे। जबकि उनकी पत्नी कैलाशी देवी बच्चों के देखख्भाल करने के बाद भी खाली समय में सिलाई-कढ़ाई का काम करती रहती थी। कैलाशी अगर किसी के पहने हुए कपड़े पर बने डिजाइन को एक बार देख ले तो उसे बनाकर ही छोड़ती थी। सब्जी की लारी लेकर शाम को जब हरिराम रूम पर आते तो सब्जी उतारने में उनकी मदद कैलाशी देवी करती। पूरा परिवार हंसी-ख्शी के साथ जीवन जीना रहा था। अचानक एक दिन कैलाशी की तबीयत खराब हुई और हरिराम जी उसे अस्पताल ले गए। जहां जांच रिपोर्ट में मालुम हुआ कि कैलाशी देवी को टीबी हो गया है। टीबी की बीमारी सुनते ही हरिराम के पैरों तले से जमीन खिसक गई।

जब मां के बीमारी के बारे में बच्चों को पता चला तो मानो पूरे परिवार पर बज्रपात हो गया हो। वहीं हमेशा हंसने व ख्श रहने वाले हरिराम के चहरे पर से हंसी व ख्शी गायब हो गई। कैलाशी देवी बीमार होने के बाद भी घर का पूरा काम करती रहती थी। अचानक एक दिन उनकी तबीयत फिर से खराब हुई और उन्हे अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्य हो जाती है। उनकी मौत के बाद जहां हरिराम को पत्नी का साथ छूट गया तो वहीं बच्चों के सिर से मां के आंचल का छांव उठ गया। बच्चों के मामा जो दीपचंद्र जी हमेशा हरिरामजी की मदद करने के बजाय उनके धन को लूटने के चक्कर में पड़े रहते थे।

छोटी जब उन्हें देखती तो कहने लगी की लो कंस मामा आ गए। हरिराम अपने बड़े बेटे राजू पर नाज रखे थे कि वह बड़ा होकर कारोबार में उनका हाथ बंटाएगा लेकिन वह बचपन की तरह मोटी बुद्धि का रह गया। उनका छोटा बेटा संजीव उर्फ संजू उनके रोजगार में सहयोग करने लगा। जबकि बीना उर्फ छोटी स्नातक की पढ़ाई कर रही है। लोगों के कहने बाद हरिराम दूसरी शादी किए लेकिन उन्हें आज भी कैलाशी देवी की याद सताती रहती है। जबकि आज भी अपनी मां कैलाशीदेवी को याद कर छोटी किसी कोने या बिस्तर से लिपटकर रोने लगती है। उसे आज की अपनी मां के आंचल की कसक बनी रहती है।

27वीं अंतर जिला पंचायत क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

सूरत। सूरत जिला पंचायत के सौजन्य से आयोजित 27वीं अंतर जिला पंचायत क्रिकेट टूर्नामेंट सफलता पूर्वक सम्मपन्न हुआ। जिसमें पिछले साल चैम्पियन बनी सूरत जिला पंचायत की टिम इस वर्ष भी जीत की बाजी मार कर चैम्पियन बनी। इस प्रकार सूरत जिला पंचायत की टिम आणंद को हरा कर सातवी बार चैम्पियन बनी है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com